

This question paper contains 4 printed pages.

B.Com. (Pt. - III)

Roll No. 304413

3338-I

003463

Aud. & Man. Acc.

B.Com. (Part - III) EXAMINATION - 2025

(Three Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

(Faculty of Commerce)

Accountancy and Business Statistics

Paper-I

(Auditing and Management Accounting)

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 100

Attempt any five questions in all selecting one question from each unit.

प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न करते हुए कुल पाँच प्रश्न हल करने हैं।

No supplementary answer book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answers precisely in the main answer book only.

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें।

All the parts of one question should be answered at one place in the answer book. One complete question should not be answered at different places in the answer book.

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें।

Write your roll number on question paper before start writing answers of questions.

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

#### UNIT - I/इकाई - I

- 1 Explain the meaning and objectives of auditing and discuss the significance of detecting fraud and errors in the auditing process.

अंकेक्षण का अर्थ और उद्देश्य समझाइए तथा अंकेक्षण प्रक्रिया में धोखाधड़ी और त्रुटियों का पता लगाने के महत्व पर चर्चा कीजिए।

#### OR/अथवा

Explain the concept and importance of internal control measures and describe how they contribute to effective auditing.

आंतरिक नियंत्रण उपायों की अवधारणा और महत्व को समझाइए तथा यह कैसे प्रभावी अंकेक्षण में सहायक होते हैं, इस पर चर्चा कीजिए।



## UNIT - II/इकाई - II

- ✓ 2. Define vouching, verification, and valuation of assets and liabilities. Discuss the practical aspects of verifying these components.

वाउचिंग, सत्यापन और संपत्तियों व दायित्वों के मूल्यांकन को परिभाषित कीजिए। इन घटकों के व्यावहारिक सत्यापन पर चर्चा कीजिए।

OR/अथवा

Explain the procedures for the appointment and remuneration of a company auditor under the Companies Act, 2013.

कंपनियों अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कंपनी अंकेक्षक की नियुक्ति और पारिश्रमिक की प्रक्रिया को समझाइए।

## UNIT - III/इकाई - III

- ✓ 3. Explain the duties, and liabilities of a company auditor as per the Companies Act, 2013.

कंपनी अंकेक्षक के कर्तव्य और दायित्वों को कंपनियों अधिनियम, 2013 के अनुसार समझाइए।

OR/अथवा

Explain the concept of company audit and its importance in ensuring transparency and accountability in corporate governance.

कंपनी अंकेक्षण की अवधारणा और कॉर्पोरेट प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

## UNIT - IV/इकाई - IV

4. Define management accounting and explain its objectives and scope in business decision-making.

प्रबंध लेखांकन को परिभाषित कीजिए और व्यापार निर्णय लेने में उद्देश्य एवं क्षेत्र को समझाइए।

OR/अथवा

The Rajasthan Electricals Ltd. has to make a choice between debt issue and equity issue for its expansion programme. Its current position is as follows-

दी राजस्थान इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को अपने विस्तार कार्यक्रमों के लिए ऋणपत्र निर्गमन तथा समता अंशों के निर्गमन में चुनाव करना है। इसकी वर्तमान स्थिति निम्न प्रकार है।

	Rs.
Debt 5%	20,000
Equity Capital (Rs. 10 per share)	50,000
Surplus	30,000
<b>Total Capitalisation</b>	<b>1,00,000</b>
Sales	3,00,000
Total Costs	2,69,000
Income before Interest & Taxes	31,000
Interest	1,000
	30,000
Income tax 50%	-15,000
<b>Income after taxes</b>	<b>15,000</b>

The expansion programme is estimated to cost Rs. 50,000. If this is financed through debt, the rate on new debt will be 7% and the price earnings ratio will be 6 times. If the expansion programme is financed through equity, new shares can be sold netting Rs. 25 per share, and the price earnings ratio will be 7 times. The expansion will generate additional sales Rs. 1,50,000 with a return of 10% on sales before interest and taxes. If the company is to follow a policy of maximizing the market value of its shares, which form of financing should it choose?

विस्तार कार्यक्रम की अनुमानित लागत रु. 50,000 है। यदि इसकी वित्त व्यवस्था ऋण के माध्यम से की जानी है तो नये ऋण की दर 7% तथा मूल्य-अर्जन अनुपात (Price Earning Ratio) 6 होगा। यदि विस्तार कार्यक्रम की वित्त व्यवस्था समता अंशों से की जाती है तो नये अंश (प्रति अंश शुद्ध) रु. 25 की दर से बेचे जा सकते हैं। तथा मूल्य अर्जन अनुपात 7 होगा। विस्तार कार्यक्रम से रु. 1,50,000 की अतिरिक्त बिक्री होगी जिस पर 10% का प्रत्याय ब्याज तथा कर – पूर्ण प्राप्त होगा। यदि कम्पनी अपने अंशों के बाजार मूल्य को अधिकतम करने की नीति का अनुसरण करती है तो किस वित्तीय योजना को चुनेगी?

#### UNIT - V/इकाई - V

5. Prepare Common Size Balance Sheet of Shivi Ltd.

शिवि लिमिटेड का समानाकार चिट्ठा तैयार कीजिये।

Particulars	31.03.2023 Rs.	31.03.2024 Rs.
<b>I. EQUITY AND LIABILITIES</b>		
1. Shareholder's Funds;		
(a) Paid-up Share Capital	8,00,000	5,00,000
(b) Reserves & Surplus	3,00,000	2,00,000
2. Non-Current Liabilities:		
(a) Long-term Borrowings	3,00,000	2,00,000
(b) Long-term Provision	2,00,000	3,00,000
3. Current Liabilities:		
(a) Short-term Borrowings	1,50,000	1,00,000
(b) Trade Payables	3,00,000	2,00,000
(c) Short-term Provision	1,50,000	1,00,000
<b>Total</b>	<b>22,00,000</b>	<b>16,00,000</b>
<b>II. ASSETS:</b>		
1. Non-Current Assets:		
A. Fixed Assets		
(i) Tangible	9,30,000	6,00,000
(ii) Intangible	2,00,000	2,00,000
2. Current Assets:		
(a) Inventories	4,00,000	3,00,000
(b) Trade Receivables	5,50,000	4,00,000
(c) Cash and Cash Equivalents	80,000	70,000
(d) Other Current Assets	40,000	30,000
<b>Total</b>	<b>22,00,000</b>	<b>16,00,000</b>



**OR/अथवा**

**Explain the concept of ratio analysis and describe its application in financial performance evaluation.**

**अनुपात विश्लेषण की अवधारणा को समझाइए और वित्तीय प्रदर्शन मूल्यांकन में इसकी उपयोगिता को स्पष्ट कीजिए।**